27 OCT 3 2026.qxd 26-10-2026 22:45 Page 1

एसआरएन अस्पतालमें मारपीट मामलेमें अधिवक्ताओंने किया चक्काजाम

डाक्टरोंकी गिरफ्तारीकी मांगको लेकर अड़े, छह घंटे चला प्रदर्शन, आश्वासनपर माने

एसआरएन अस्पताल में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला और उनके चालक के साथ मारपीट के मामले में सोमवार को अधिवक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ मारपीट के आरोपित डाक्टरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर वकीलों ने महात्मा गांधी मार्ग (एसआरएन मोड़) के पास चक्काजाम कर दिया। करीब छह घंटे तक चले प्रदर्शन और विवाद की वजह से शहर की यातायात व्यवस्था के साथ ही अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित रहीं। कई मरीज बिना इलाज कराए लौट गए, जबकि ऑपरेशन भी टालने पड़े। ट्रामा सेंटर में भर्ती एक मरीज की मौत की भी सूचना है। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कही है। कुछ अधिवक्ताओं ने अस्पताल परिसर में भी प्रदर्शन नारेबाजी की। अधिकारियों के साथ तीन दौर की बातचीत और कार्रवाई के आश्वासन के बाद शाम पांच बजे प्रदर्शन समाप्त हुआ। छह घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान जगह-जगह यातायात प्रभावित रहा।



२२ अक्तूबर की रात अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला एक मरीज को इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर लेकर आए थे। आरोप है कि इलाज को लेकर विवाद के दौरान डॉक्टरों ने सर्वेश शुक्ला व उनके चालक कृष्ण कुमार केशरवानी के साथ मारपीट की। कमरे में बंद कर पीटने, गला दबाने, सुइयां चुभोने और मोबाइल व सोने की चेन छीनने का भी आरोप लगा। उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट का आरोप है। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लेकिन, चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज अधिवक्ताओं ने सोमवार को चक्काजाम कर दिया। सूचना पर डीसीपी सिटी सागर जैन, डीसीपी मनीष शांडिल्य, डीसीपी प्रोटोकॉल पंकज, आईपीएस ज्ञानेंजय सिंह, एसीपी विवेक यादव, निकिता शर्मा समेत १० से अधिक थानों के प्रभारी मौके पर मौके पर पहुंच गए। अधिवक्ताओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, दिनभर चली वार्ता में अधिवक्ता बार-बार निलंबित होने वाले डॉक्टरों के नाम बताने और उनके गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। डीसीपी के कार्रवाई के आश्वासन पर शाम को धरना समाप्त किया। हालांकि, अधिवक्ताओं ने मंगलवार दोपहर तक कार्रवाई नहीं होने पर दोबारा आंदोलन की चेतावनी दी है। उधर, अधिवक्ताओं के प्रदर्शन के दौरान मेडिसिन विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. विभु रंजन मिश्रा के साथ मारपीट की सूचना पर डॉक्टर भी लामबंद हो गए। डीसीपी नगर सागर जैन ने बताया कि अधिवक्ताओं को मंगलवार दोपहर १२ बजे वार्ता के लिए बुलाया गया है। अस्पताल प्रशासन द्वारा भी निलंबित डॉक्टरों की लिस्ट दी गई है। पूरे मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

वाहन चालकोंसे होती रही नोकझोंक

अधिवक्ताओं के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाई थी। इससे आवागमन प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ता बंद होने और वाहनों को दूसरे मार्गों से निकालने के दौरान कई बार वाहन चालकों और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन के चलते सड़क पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही।

कई डाक्टरोंसे मारपीटका आरोप, एएमए ने की पुलिस सुरक्षाकी मांग

एसआरएन अस्पताल के समीप डाक्टरों पर किए गये जानलेवा हमले से डाक्टरों में आक्रोश एवं डर का माहौल है। घटना को लेकर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ने प्रशासन से सख्त कारवाई की गुहार लगायी है। एएमए एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. ज्योति भूषण की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में एसआरएन अस्पताल के समीप मेडिसिन विभाग के सहायक आचाय डा. विभु मिश्रा एवं मेडिकल छात्रों (डा. अनुज, डा. आर्या, डा. तेजस, डा. बलराम, डा. अभिषेक एवं डा. उत्कर्श) पर जानलेवा हमला किया गया।इस हिंसक झड़प में कई चिकित्सकों को गंभीर चोटें आयी हैं।एएमए ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करायी जाय और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कारवाई की जाय।इसके साथ ही डाक्टरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एसआरएन एवं उसके आसपास परिसर में पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने का अनुरोध किया।





एसआरएन चरैराहेपर डाक्टर, अधिवक्ताओंमें झड़प एवं मेडिकल चौराहेपर चक्काजाम करते जूनियर डाक्टर।

एसआरएन में हड़तालसे ओपीडी एवं इमरजेंसी सेवाएं ठप, एक की मौत

इलाजमें लापरवाहीका आरोप, मुख्यमंत्रीसे करेंगे इसकी शिकायत गंभीर मरीजोंको भी किया डिस्चार्ज

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में जूनियर डाक्टरों और तीमारदारों के बीच हुयी मारपीट की घटना सोमवार दोपहर बेहद तनाव पूर्ण हो गयी। आरोपित डाक्टरों के खिलाफ कारवाई एवं उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन एवं मेडिकल कालेज के प्राचार्य के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। करीब सात घंटे तक चले अस्पताल परिसर में अधिवक्ताओं के प्रदर्शन एवं डाक्टरों की हड़ताल के चलते स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गयी।अस्पताल की ओपीडी एवं इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह से प्रभावित रहीं। करीब डेढ़ हजार से अधिक मरीज बिना इलाज कराए लौट गये, जबकि आपरेशन भी टालने पड़े। तीन दिन से आईसीयू में भर्ती माण्डा रोड के १९ वर्षीय कृष्णा पटेल की इलाज के दौरान मौत हो गयी। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कहीं।

सोमवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण ओपीडी दोपहर १२ बजे तक ही संचालित होनी थी, लेकिन इस हंगामे के कारण ओपीडी भी पूरी तरह से प्रभावित रही। सबसे अधिक प्रभाव ट्रामा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में रहा, जहां नए मरीजों को भर्ती नहीं किया गया। मरीजों के इलाज के साथ ही एक्स-रे, एमआरआई, खून जांच से लेकर अन्य सभी तरह की जांच के कर्मचारी भी हड़ताल पर रहे, जिसका सीधा असर मरीजो पर दिखा।

इलाज न मिलने के कारण तीमारदार अपने गंभीर मरीजों को डिस्जार्च कराकर बेली, काल्विन एवं निजी अस्पतालों में ले जाने को मजबूर दिखे। डाक्टरों कई वार्डों में डाक्टर की अनुपस्थिति के कारण नर्स और वार्ड ब्वाय ही मरीजों की देखभाल करते नजर आये। लेकिन समुचित इलाज ने होने के कारण मरीज एवं तीमारदार परेशान रहे। प्रतापगढ़ से रेफर होकर सुबह ११ बजे एसआरएन अस्पताल पहुंचे रामजी ओझा को डाक्टरों ने हड़ताल का हवाला देकर इलाज करने से साफ मना कर दिया। डाक्टर सौम्या की देखरेख में इलाज करा रहे मेहंदी हसन के परिजनों ने बताया कि सुबह डायलिसिस के लिए आये थे। डाक्टर ने मरीज की गंभीर हालत देखते हुए कुछ जांचे लिखी थीं, जिनकी रिपोर्ट भी आ गयी, लेकिन दोपहर १२ बजे डाक्टरों ने मरीज को डिस्चार्ज करने और उन्हें किसी अन्य सरकारी अस्पताल एवं निजी अस्पताल ले जाने को कहा। कोरांव से आए उर्मिला के पति ने बताया कि उनकी पत्नी पीएमएसएस वाई बिल्डिंग में भर्ती थीं जिन्हे डाक्टरों ने हड़ताल के चलते डिस्चार्ज कर दिया। उधर हड़ताल के चलते अस्पताल में आठ आपरेशन थिएटरों में पूरे दिन में केवल १६ आपरेशन ही हो सके।

डाक्टर पर हमला, ट्रामा सेंटरमें चल रहा इलाज

सुरक्षाकी मांगको लेकर मेडिकल चौराहेपर जूनियर डाक्टरोंने दिया धरना

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में अधिवक्ताओं के धरना प्रदर्शन एवं डाक्टरों के हड़ताल के दौरान माहौल उग्र हो गया, जब मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डा. विभु मिश्रा पर हमला कर दिया गया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल डाक्टर मिश्रा का इलाज फिलहाल ट्रामा सेंटर में चल रहा है। प्राचार्य डा. एके वर्मा, उप प्रचार्य डा. मोहित जैन एवं अन्य वरिष्ठ डाक्टरों ने पहुंचकर उनका हाल जाना। इसके बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गयी। घटना से आक्रोसित आक्रोशित जूनियर डाक्टरों ने वकीलों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के डाक्टरों ने वकीलों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए मेडिकल चौराहे पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की।

जूनियर डाक्टरों का कहना था कि यदि कार्यस्थल पर चिकित्सकों के साथ इसी तरह मारपीट और हमले होते रहेंगे तो वो सुरक्षित माहौल के बिना मरीजों का इलाज कैसे कर पायेंगे। मौके पर पुलिस बल के अधिकारियों ने किसी तरह समझा-बुझाकर जूनियर डाक्टरों को चौराहे से हटाकर सड़क यातायात बहाल कराया। जिसके बाद सभी डाक्टरों को मेडिकल कालेज परिसर के अंदर ले जाया गया। ऐहतियात के तौर पर देर शाम तक मेडिकल कालेज के मुख्य गेट को बंद रखा गया और वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही, हालांकि आपातकालीन एवं जरूरी काम से आने-जाने वाले लोगों को पूरी तरह राका नही गया। मेडिकल कालेज के सुरक्षा गार्ड रजिस्टर में उनका नाम, पता और जाने का कारण दर्ज करने के बाद एक-एक करके उन्हें अंदर एवं बाहर जोन की अनुमति दे हरे थे।

नये पुलसे यमुनामें कूदी युवती

नये यमुना पुल पर सोमवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती पुल से यमुना में कूद गई। गनीमत रही कि पुल के नीचे मौजूद जल पुलिस के गोताखोरों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना पर पहुंची कीडगंज पुलिस युवती को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले गई। पुल पर मिले युवती के बैग और मोबाइल से उसकी शिनाख्त हुई। युवती धूमनगंज क्षेत्र की रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक युवती की मां ने बताया कि बेटी प्राइवेट जॉब करती है। परिवार की मनचाही आर्थिक मदद नहीं कर पाने से वह परेशान थी। युवती की दो और बहनें हैं। उसके पिता बाहर रहकर नौकरी करते हैं। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन युवती को लेकर घर चले गए।

एंबुलेंस एवं स्टाफको अस्पताल पहुंचनेमें करनी पड़ी मशक्कत

दोपहर दो बजेकी शिफ्टमें ड्यूटी पर आने वाले स्वास्थ्य कर्मी रहे परेशान

एमजी मार्ग पर पर वकीलों के चक्का जाम का असर मेडिकल चौराहे पर भी देखने को मिला। मेडिकल चौराहे पर एसआरएन की ओर जाने के लिए की गयी बैरिकेडिंग के कारण सोमवार को यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी। इसका सबसे अधिक असर आपातकालीन सेवाओं पर पड़ा, जाम में फंसी कई एंबुलेंस को मरीजों की जान बचाने के लिए मजबूरन लाउद रोड होते हुए बेली, काल्विन अस्पताल जाना पड़ा। वहीं एसआरएन अस्पताल जाने वाली एंबुलेंस को भी लाउदर रोड़ का चक्कर लगाकर अस्पताल पहुंचने के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ा। दोपहर दो बजे की शिफ्ट में दूर-दराज से आने वाले नर्स, नर्सिंग आफिसर एवं अन्य कर्मचारियोंको दोपहर दो वजे वाली सिफ्ट में एसआरएन अस्पताल पहुंचने में मस्क्कत करनी पड़ी। रास्ता बंद होने के कारण जाम का असर मेडिकल चौराहे से लेकर बैरहना चौराा एवं चूंगी तक देखने को मिला। इसका सबसे असर आपातकालीन सेवाओं पर पड़ा, जाम में फंसी कई एंबुलेंस को मरीजों की जान बचाने के लिए मजबूरन लाउद रोड होते हुए बेली, काल्विन अस्पताल जाना पड़ा। वही आटो, ई-रिक्शा एवं अन्य सार्वजनिक साधनों से सफर करने वाले अस्पताल कर्मियों को पैदल ही मशक्कत करते हुए अस्पताल पहुंचना पड़ा।

चक्काजामसे वाहनोंकी थमी रफ्तार, जूझते रहे लोग

सिविल लाइंस, मेडिकल चौराहा, बालसन सहित अन्य जगहोंपर वाहनोंकी लगी कतार, पुलिसने की थी बैरिकेडिंग

एसआरएन अस्पताल के बाहर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन शुरू हुआ तो पुलिस ने भी मोर्चा संभाल लिया। देखते ही देखते अस्पताल की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग लगा दी गयी। सिविल लाइंस के हनुमान मंदिर चौराहे से लेकर फायर ब्रिगेड चौराहे और मेडिकल चौराहे तक यातायात का रूट बदल दिया गया। करीब छह घंटे तक चले घटनाक्रम ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जाम लग गया वाहनों की रफ्तार धीमी हो गयी और लोग परेशान हो गये।

पुलिस का मकसद प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, लेकिन इसका असर शहर की सड़कों पर दिखाई देने लगा। एसआरएन के आसपास वाहनों की कतारें बढ़ीं और कुछ ही देर में जाम का दायरा दूसरे इलाकों तक फैल गया। एसआरएन की ओर जाने वाले रास्तों पर रोक लगी तो वाहन चालकों ने दूसरे मार्गों से निकलने की कोशिश शुरू कर दी। किसी ने गलियों का सहारा लिया तो कोई वैकल्पिक रास्तों से आगे बढ़ने लगा। इससे रामबाग पुल, सोहबातियाबाग, बालसन चौराहा, सिविल लाइंस, हिंदू हॉस्टल चौराहा, प्रेस इंडिया चौराहा, जानसेनगंज समेत अन्य मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। शाम पांच बजे तक बैरिकेडिंग के चलते एसआरएन अस्पताल के चारों ओर यातायात प्रभावित रहा। हालात ऐसे बने कि सामान्य दिनों में महज १० मिनट में पूरा होने वाला सफर तय करने में वाहन चालकों को घंटो समय लग गया। अस्पताल जाने वाले रास्तों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित होने से मरीजों के तीमारदार भी परेशान हुए। कई लोगों को वाहन छोड़कर पैदल ही अस्पताल तक पहुंचना पड़ा। वहीं, दूसरे कामों से निकले लोगों को भी अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ा। यातायात पुलिसकर्मी प्रमुख चौराहों पर वाहनों को दूसरे रास्तों से निकालने में जुटे रहे। कई स्थानों पर लाउड हेलर के जरिये वाहन चालकों को एसआरएन की ओर जाने वाले रास्तों पर प्रतिबंध की जानकारी दी जाती रही। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने केवल इमरजेंसी वाहनों को आवागमन की अनुमति दी। इसके बावजूद वाहनों का दबाव कम करने और जाम खुलवाने में पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अधिवक्ताओं का प्रदर्शन शाम करीब पांच बजे समाप्त हुआ इसके बाद यातायात बहाल हो सका।



बिना इलाज सर्प दंशसे तड़पती महिला घंटों भटकी

एसआरएन के बाद बेली अस्पतालके डाक्टरोंने भर्ती करनेसे किया इनकार

सोरांव इलाके में सांप काटने से गंभीर रूप से घायल राजकुमारी महिला तीन घंटे तक एसआरएन अस्पताल में भटकती रही है, हड़ताल के कारण कोई डाक्टर उपचार करने के लिए तैयार नहीं हुए।महिला की बिगड़ती हालत को देखते हुए परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए बेली अस्पताल ले गये। मौजूद डाक्टरों ने गंभीर हालत देखकर महिला को अस्पताल में भर्ती करने से साफ मना कर दिया।

सांप काटने के बाद राजकुमारी देवी को परिजनों ने इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल लेकर पहुंचे।अस्पताल में वकीलों का प्रदर्शन एंव डाक्टरों के हड़ताल के चलते डाक्टरों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया। उपचार के लिए परेशान परिजन अस्पताल प्रशासन से गुहार लगाते रहे पर कोई सुनने को तैयार नहीं, इलाज नहीं मिलने पर परिजनों ने आनन-फानन में बेली अस्पताल ले गये। बेली अस्पताल के डाक्टरों ने आईसीयू बेड खाली नहीं होने की बात कह कर मरीज को भर्ती करने से मना कर दिया।सांप का जहर समय के साथ महिला के शरीर में फैल रहा था, निराश एवं रोत-बिलखते परिजन आखिरकार महिला को लेकर कैंट अस्पताल लेकर पहुंचे।

युवकको घेरकर पीटा मुकदमेमें फंसानेकी धमकी

अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद में दुकान जा रहे युवक को रोककर मारपीट करने और मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित अब्दुल करीम ने दो नामजद समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है।

अब्दुल करीम ने पुलिस को दी तहीरर में बताया कि २० जुलाई की सुबह वह घर से दुकान जाने के लिए निकला थे। इसी दौरान दरियाबाद निवासी मोहम्मद ख्वाजा उर्फ दुलारे और मोहम्मद फैक ने अपने एक अन्य साथी के साथ उसे रोक लिया। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज करते हुए कहा कि वह उनके मामले में ज्यादा दखल देता है। इसके बाद लात-घूंसों से उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसे किसी मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी भी दी। उसने पुलिस को बताया कि इससे पहले भी उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश की जा चुकी है। अतरसुइया पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

अधिवक्तासे मारपीट पर हाईकोर्ट बार सख्त, सीएम से कारवाईकी मांग

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला और उनके चालक से कथित मारपीट के मामले में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद ने कड़ा रुख अपनाया है। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. सीपी उपाध्याय और महासचिव संतोष कुमार मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में अवगत कराया कि २३ अक्टूबर २०२६ को अपने परिजन का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला और उनके चालक को चिकित्सकों ने कथित तौर पर कमरे में बंद कर पीटा। मामले में कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।एसोसिएशन ने अस्पताल में उपचार में देरी, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के कथित दुर्व्यवहार और वरिष्ठ डाक्टरों की अनियमित उपस्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल की बदहाल व्यवस्था से मरीजों और तीमारदारों में असुरक्षा बढ़ रही है। एसोसिएशन ने अस्पताल प्रशासन की जवाबदेही तय करने तथा प्रमुख अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य की भूमिका की जांच कराने की मांग की है।

एसोसिएशनने कहा- एसआरएन अस्पतालकी दुर्व्यवस्थासे मरीजों और तीमारदारोंमें बढ़ रही असुरक्षा

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर जिम्मेदार चिकित्सकों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था सुधारने का आग्रह किया है, ताकि आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बना रहे।

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
सार्वजनिक सूचना
बाज़ार साउंडिंग सत्र
11 हवाई अड्डों के लिए प्रस्तावित पीपीपी रियायत

नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश में हवाई अड्डों के प्रचालन, प्रबंधन तथा अवसंरचना के विकास में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 11 हवाई अड्डों की ब्राउनफील्ड सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) आधारित रियायत का तीसरा चरण शुरू करने का प्रस्ताव है। इन हवाई अड्डों को पाँच समूहों में समूहीकृत किया गया है।

इस संबंध में, मंत्रालय प्रस्तावित ट्रांजैक्शन को प्रस्तुत करने, प्रस्तावित रियायत ढाँचे की प्रमुख विशेषताओं को साझा करने तथा संभावित हितधारकों से सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए बाज़ार परामर्श सत्र आयोजित कर रहा है।

दिल्ली सत्र का विवरण

शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक (भारतीय मानक समय) | भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिकारी संस्थान(AAIOI), सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली | आयोजन का स्वरूप केवल व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर

भागीदारी हेतु अनुरोध

कृपया भागीदारी हेतु आधिकारिक ई-मेल पते से अनुरोध भेजें जाए जिसमें भाग लेने वाली संस्था का संक्षिप्त परिचय तथा उपस्थित होने वाले प्रतिभागियों के नाम (प्रति संस्था अधिकतम 2 प्रतिभागी), पदनाम, आधिकारिक ई-मेल आईडी, फोन नंबर और पता नीचे दिए गए ई-मेल पते पर भेजा जाए।

ई-मेल: gmsiu@aai.aero
आवेदन की अंतिम तिथि: बुधवार, 28 अक्टूबर 2026, अपराह्न 5:00 बजे

मंत्रालय प्राप्त भागीदारी अनुरोधों की समीक्षा करेगा और पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाली संस्थाओं के नामित प्रतिनिधियों को नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आवश्यक निर्देश सहित प्रवेश-पत्र भेजे जाएंगे।

मुंबई सत्र की तिथि और स्थान की सूचना मंत्रालय की वेबसाइट पर दी जाएगी।

यह प्रक्रिया केवल बाज़ार साउंडिंग के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। यह निविदा या बोली लगाने का निमंत्रण नहीं है। इसमें भाग लेने से भविष्य में आयोजित की जाने वाली बोली प्रक्रिया में किसी प्रकार की प्राथमिकता नहीं मिलेगी।

CBC 03111/15/0013/2627